

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

16 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुल्तानपुर ज़िले के करवल खीरी में 341 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। इसके खुलने के बाद गाज़ीपुर से राजधानी दिल्ली का सफर 10 घंटों में हो सकेगा।

प्रमुख बंदि

- 341 किलोमीटर लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को जोड़ेगा। एक्सप्रेस-वे लखनऊ के चाँद सराय से शुरू होगा और गाज़ीपुर तक पहुँचेगा। यह एक्सप्रेस-वे 9 ज़िलों- लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और गाज़ीपुर को जोड़ेगा।
- इस एक्सप्रेस-वे को बनाने में 36 महीने का वक़्त लगा तथा इसकी लागत 22 हज़ार 497 करोड़ रुपए है।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की महत्त्वाकांक्षी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2018 में आजमगढ़ में रखी थी।
- इस अवसर पर वायुसेना के लड़ाकू विमानों के आकस्मिक उपयोग के लिये इस एक्सप्रेस-वे पर बनी 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी पर एयर शो किया गया, जिसमें राफेल, सुखोई और मरिज जैसे लड़ाकू विमानों ने टच एंड गो ऑपरेशन (यानी, विमान उड़ते हुए आते हैं और ज़मीन छूते ही दोबारा उड़ जाते हैं) के तहत करतब दिखाया तथा जगुआर और मरिज 2000 लड़ाकू विमानों ने लैंडिंग की।
- इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश में 3 अन्य एक्सप्रेस-वे के तैयार किये जा रहे हैं, जिनमें 300 किलोमीटर लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे चित्तूरकूट, बाँदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, औरैया और इटावा को जोड़ेगा। 90 किलोमीटर लंबा गोरखपुर एक्सप्रेस-वे गोरखपुर, अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर और आजमगढ़ को जोड़ेगा तथा 600 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहाँपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज को जोड़ेगा।